मेहनत की कमाई को,ऐसे ना लुटाना तू | By Mukesh Bagda |

मेहनत की कमाई को,
ऐसे ना लुटाना तू,
खर्चो को घटाकर के,
सेवा में लगाना तू।

राई से राई मिले,
पर्वत बन जाता है,
जब बून्द से बून्द मिले,
सागर बन जाता है,

महंगाई के युग में,
पैसे का ही खेला है,
जिसने दौलत जोड़ी,
यहाँ उसका रेला है,

जो खर्च ही करना है,
इंसान पे खर्च करो,
दीनो की मदद करो,
दुखियों के दर्द हरो,

मेहनत की कमाई को,
ऐसे ना लुटाना तू,
खर्चो को घटाकर के,
सेवा में लगाना तू।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a4%a4-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%88-%e0%a4%95%e0%a5%8b%e0%a4%90%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b2%e0%a5%81%e0%a4%9f/